developed in Khasra Nos. 569 and 570 in an area of approximately 25 acres of Gaon Sabha land under the scheme of Development and Distribution of House Sites. The map of the land is not available.

उत्तर प्रदेश में समेकित विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत शहरों का चयन किया जाना

2964. **श्री ईश दत्त यादव:** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में मध्यम और छोटे शहरों के रूप में समेकित विकास हेतु कितने शहरों का चयन किया गया है और उनके नाम क्या हैं;

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान इन चुने गए शहरों के लिए क्या-2 लक्ष्य निर्धारित किए गए थे; और

(ग) इस संबंध में कितने प्रतिशत प्रगति हुई है तथा उनका शहर वार ब्यौरा क्या है?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम): (क) से (ग) 31 मार्च 1992 तक छोटे तथा मध्यम दर्जे के शहरों के समेकित विकास योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य के 52 शहरों को चुना गया है। छोटे तथा मध्यम दर्जे के शहरों की समेकित विकास योजना के अंतर्गत छठी, सातवीं और वार्षिक योजना 1990-91 तथा 1991-92 के दौरान चुने गए शहरों के नाम विवरण में दिए गए है। **(नीचे देखिए)**

1990-91 के दौरान छोटे तथा मध्यम दर्जे के शहरों के समेकित विकास योजना के अंतर्गत शामिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य के 8 शहरों को तय किया गया था परन्तु 9 शहरों को शामिल किया गया। 1991-92 के दौरान राज्य के 5 शहरों को तय किया गया परन्तु 7 शहरों को शामिल किया गया। इस प्रकार 1990-91 और 1991-92 के दौरान छोटे तथा मध्यम दर्जे के शहरों के समेकित विकास योजना के अंतर्गत शामिल करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य के तय किए गए 13 शहरों की तुलना में 16 शहरों को शामिल किया गया है। इस प्रकार लक्ष्यों की अपेक्षा उपलब्धि ज्यादा है।

विवरण

छोटे तथा मध्यम दर्जे के शहरों के समेकित विकास योजना के अंतर्गत शामिल किए गए उत्तर प्रदेश राज्य के शहर

क्रम सं.	योजना अवधि तथा शहर का नाम
	6 वीं योजना
1.	जौनपुर
2.	फतेहपुर
3.	आजमगढ़
4.	हाथरस
5.	बांदा
6.	बाराबंकी
7.	गोरखपुरनी
8.	अल्मोड़ा
9.	एटा
10.	बलिया
11.	महोबा
12.	कासगंज
13.	गाजीपुर
14.	सीतापुर
15.	मैनपुरी
16.	हरदोई
17.	बिजनौर
18.	उरई
19.	देवरिया
20.	बदायूं
21.	अमेठी
22.	कशीपुर
23.	पदरौना
	7 वीं योजना
24.	सुल्तानपुर
25.	बिसवान
26.	शामली
27.	बदोही

क्रम सं॰	योजना अवधि तथा शहर का नाम
28.	मौनाथ भंजन
29.	शांदिला
30.	पीलीभीत
31.	बहराइच
32.	ललितपुर
33.	मिर्जापुर
34.	इटावा
35.	सम्भल
36.	हलद्वानी
1990-91	
37.	लखीमपुर
38.	सिकंदरा राव
39.	कोंच
40.	कैराना
41.	मोदी नगर
42.	जलेसर
43.	औरैया
44.	रुड़की
45.	गोंडा
1991-92	
46.	मवाना
47.	काशीकलां
48.	सिकंदराबाद
49.	बिलासपुर
50.	मौरनीपुर
51.	चुनार
52.	मुजफ्फर नगर

मध्य प्रदेश नगरीय परियोजना

2965. **श्री कैलाश नारायण सारंग:** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विश्व बैंक के मिशन द्वारा माह अप्रैल-मई 1990 में मध्य प्रदेश की प्रथम नगरीय परियोजना की समीक्षा की गई थी और उनके द्वारा यह निर्णय भी लिया गया था कि मध्य प्रदेश सरकार द्वितीय चरण की परियोजना तैयार कर के केंद्र सरकार को भेजें;

(ख) क्या मध्यप्रदेश सरकार ने नगरीय परियोजना का प्रारूप तैयार करके सरकार को भेज दिया है; यदि हां, तो उसे कब भेजा गया तथा इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इस परियोजना के लिए कितनी धनराशि की मांग की गई है इन धनराशियों को कब तक स्वीकृत प्रदान कर दिए जाने की संभावना है?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम॰ अरुणाचलम): (क) से (ग) जी, हां। मध्य प्रदेश सरकार ने एक परियोजना प्रस्ताव भेजा था जिसमें मध्य प्रदेश के पांच शहरी क्षेत्रों में बढ़ती हुई शहरी विकास की मांग को संभालने और पूरा करने के लिए नया संस्थागत और वित्तिय ढांचा कायम करने की आवश्यकता का खुलासा किया गया है। प्रस्तावित परियोजना की अनुमानित लगात 700/- करोड़ रुपए है और यह पांच नगरों अर्थात इंदौर, रायपुर, भोपाल, जबलपुर एंव ग्वालियर में चलाई जाएगी। परियोजना घटकों में क्षेत्र विकास, भूमि विकास तथा बुनियादी सुविधाओं, परिवहन और तकनीकी सहायता का विकास का समावेश है। राज्य सरकार ने फिलहाल परियोजना की केवल रूपरेखा ही प्रस्तुत की है। परियोजना का अन्तिम स्वरूप, दायरा तथा आकार, बाह्य सहायता हेतु तकनीकी साध्यता/संसाधन मंजूरी/विस्तृत परियोजना की विश्व बैंक की क्रियाविधि सहित तैयारी दाता की पंसद और दाता एजेंसियों के द्वारा वायदा राशि की उपलब्धता जैसी बाह्य सहायता संबंधी औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद उभर कर सामने आयेगा।

जल और बिजली के संबंध में शिकायतें

2966. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) चालू वर्ष के दौरान सरकार को दिल्ली के कौन-कौन से क्षेत्र में जल और बिजली की पूर्ति के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई हैं; और

(ख) इन शिकायतों को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

शहरी मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम॰ अरुणाचलम): (क) दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान तथा दिल्ली जल आपूर्ति तथा मल व्ययन संस्थान को प्राप्त हुई शिकायतें और उनके समाधान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं। दिल्ली नगर निगम के क्षेत्रों में वितरण पद्धति के अन्तिम छोर पर स्थित क्षेत्रों